B.A. (Part-II) EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र–नाटक, छन्द, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

PART-I (SHORT ANSWER) **M.M. : 30**

1. शकुन्तला के माता-पिता का नाम बताइये।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चार स्त्री पात्रों के नाम लिखिये।
3. शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंके के प्रमुख चार श्लोक किस छन्द में लिखे गये हैं ?
4. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" की कथावस्तु का उपजीव्य ग्रन्थ कौन-सा है ?
5. शकुन्तला की अँगूठी कहाँ गिर गई थी ?
6. शिखरिणी छन्द का लक्षण लिखिए।
7. उत्प्रेक्षा अलंकार का लक्षण लिखिए।
8. किन्हीं दो प्रसिद्ध वीर-काव्यों के नाम लिखिए।
9. अर्थगौरव के लिए किस महाकवि ने प्रसिद्धि प्राप्त की ? उसको रचना का नाम लिखिए।
10. रामायण के काण्डों के नाम लिखिए।
11. बृहत्त्रीय में कितने महाकाव्य है ? नाम लिखिए।
12. कालीदास विरचित दो महाकाव्यों के नाम बताइये।
13. किस ग्रन्थ को 'शतसाहस्त्री संहिता' कहा गया है तथा क्यों ?
14. संस्कृत काव्य साहित्य को मुख्य रूप से कितने भागों में विभाजित किया गया है ? नाम बताइए।
15. बुद्धचरित किसकी रचना है ?

PART-II (DESCRIPTIVE) **M.M. : 70**

1. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो की संदर्भ एवं प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए– 7+7=14

(क) मुक्तेषु रश्मिषु निरायतपूर्वकाया
निष्कम्पचामर शिखा निभृतोर्ध्वकर्णाः।
आत्मोद्धतैरपि राजोभिरलङ्घनीया,
धावन्त्यमी मृगजवाक्षमयेव रध्याः॥

(ख) तीव्राधातप्रतिहततरूस्कन्धलग्नैकदन्तः,
पादाकृष्टव्रततिवलयासंगसंजातपाशः।
मुर्तो विध्नस्तपसइव नो भिन्नसारङ्गयूथो,
धमरिण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोकभीतः॥

(ग) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कठया,
कण्ठः स्तम्भितवाश्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजड़ं दर्शनम्।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः,
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुः खैर्नवैः॥

(घ) अनुमतगमना शकुन्तला,
तरुभिरियं वनवासबन्धुभिः।

परभृतविरूतं कलं यथा,
प्रतिवचनीकृतंमेभिरीदृशम्॥

2. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ तथा सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए– 7+7=14

(क) असंशयं क्षत्रपरिग्रहक्षमा,
यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः
सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु,
प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः॥

(ख) विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा,
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम्।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव॥

(ग) शुश्रूषस्व गुरून् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः॥
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी।
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः॥

(घ) सुखपरस्य हरेरूभयैः कृतं।
त्रिदिवमुद्भव दानवकण्टकम्॥
तव शरैरधुना नतपर्वभिः।
पुरुषकेसरिणश्च पुरा नखैः॥

3. "काव्येषु नाटकं रम्यम् तत्र रम्या शकुन्तला। तत्रापि च चतुर्थोऽकं श्लोक चतुष्टयम्।" इस सूक्ति की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तलम् की नायिका 'शकुन्तला' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 7

4. निम्नलिखित छन्दों में से किन्हीं दो छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण देते हुए घटित कीजिए– 4+4=8

(क) आर्या (ख) वंशस्थ (ग) स्त्रग्धरा (घ) शार्दूलविक्रीडित

5. काव्यदीपिका (अष्टम शिखा) के आधार पर किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए– 4+4=8

(क) वक्रोक्ति (ख) अर्थान्तरन्यास (ग) रूपक (घ) अनुप्रास

6. महाकाव्य के उद्भव एवं विकास पर एक लेख लिखिए। http://www.uoronline.com

अथवा

माघे सन्ति त्रयो गुणाः इस उक्ति की समीक्षा कीजिए।

7. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें– 10

(क) विद्यालय के चारों ओर वृक्ष हैं।
(ख) राम वन को जाता है।
(ग) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।
(घ) कवियों में कालिदास श्रेष्ठ है।
(ङ) विद्या धर्म की ओर जाती है।
(च) हिमालय से गङ्गा निकलती है।
(छ) मोहन बकरी को गाँव ले जाता है।
(ज) बालिका रामायण पढ़ती है।
(झ) विद्या विनय देती है।
(ञ) वह कानों से बहरा है।

○○○